कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MSK-004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एस.के.-004 : आधुनिक संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* **दो** *खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डो में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—'क'

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं। 4×15=60

1. आधुनिक काव्यविधा में गद्यरचना के स्थान का निरूपण कीजिए।

2. कालक्रम के अनुसार विविध-विषयगत रचनाधर्मिता का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

3. अनूदित साहित्य से आप क्या समझते हैं ? पठित अंश के आधार पर वर्णन कीजिए।

4. बीसवीं शताब्दी के प्रमुख साहित्यकारों में से किन्हीं **तीन** साहित्यकारों का वर्णन कीजिए।

5. प्रोफेसर अभिराज राजेन्द्र का परिचय देते हुए उनके रचना संसार का वर्णन कीजिए।

6. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए—

निरन्तरं व्योम्नि ववुः प्रवात्या
अदर्शि रात्रावपि धूमकेतुः।
विधे! न जाने भविता किमस्ति
अनारतं जानपदैर्व्यतर्कि॥

7. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए—

(क) पद्यरचना विधा

(ख) लघुकाव्य विधा

8. पण्डिता क्षमाराव का परिचय देकर उनके रचना संसार का वर्णन कीजिए।

खण्ड—'ख'

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। 4×10=40

1. 'जानकीजीवनम्" महाकाव्य के प्रथम, द्वितीय और तृतीय सर्ग का सारांश लिखिए।

2. निम्नलिखित श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद लिखिए—

मयापि लब्धात्म बिबोधनेन

ह्यतीन्द्रियज्ञानलसत्समाधौ

अदर्शि सत्यं यदपि प्रजेश!

प्रजा सुखार्थं वितरामि तत्ते॥

3. 'मीरा लहरी' के आधार पर कुर्खी नगरी का वर्णन कीजिए।

4. प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी का परिचय लिखिए।

5. उपाख्यानमालिका के आधार पर विचित्रोपाख्यान का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

6. द्वितोय उपाख्यान के रूप में मायाविनी का वर्णन कीजिए।

7. रेवाप्रसाद द्विवेदी का परिचय लिखिए। आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा में इनके योगदान का निरूपण कीजिए।

8. रेवाप्रसाद द्विवेदी के अनुसार अलंकार की अवधारणा का वर्णन कीजिए।